में दक्षिण-मध्य रेलवे के काजीपेट-बलहारशाह डिविजन के विहिरगांव स्टेशन के बाहर मद्रास-दिल्ली जनता एक्सप्रेस गाड़ी के कुछ डिब्बे पटरी से उतर गये थे;

(ख) क्या सरकार ने दुर्घटना के कारणों की जांच कराई है; और

(ग) यदि हां, तो उसका ब्यौरा क्या है और इस दुर्घटना के फलस्वरूप सरकार को कितनी हानि हुई ?

रेलवे मंत्री (श्री चे० मु० पुनाचा) : (क) जी हां।

(ख) और (ग). दुर्घटना के कारण की जांच की जा रही है । रेल सम्पत्ति को लगभग 45,128 रुपये की क्षति होने का अनुमान है ।

सोलोग मदारी स्टेशन पर मालगाड़ी का पटरी से उतर जाना

1807. **श्री हुकम चन्द कछवाय :** क्या **रेलवे** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि जुलाई, 1968 के प्रथम पखवाड़े में सोलोग मदारी स्टेशन पर सिलीगुड़ी जाने वाली मालगाड़ी के कुछ डिब्बे पटरी से उतर गये थे;

(ख) क्या सरकार ने इस दुर्घटना के कारणों की जांच की है; और

(ग) यदि हां, तो उसका ब्यौरा क्या है और सरकार को इस से कितनी हानि हुई है ?

रेलवे मंत्री (श्री चे० मु० पुनाचा) : (क) दुर्घटना 6-7-68 को हासी मारा और मदारीहाट स्टेशनों के बीच हुई ।

(ख) और (ग). जांच समिति ने अपनी रिपोर्ट को अभी तक अंतिम रूप नहीं दिया है । रेल सम्पत्ति को लगभग 19,500 रुपये की क्षति होने का अनुमान है ।

बिना टिकट के यात्रा

1808. **श्री हुकम चन्द कछवाय :** क्या **रेलवे** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) 1967-68 के दौरान बिना टिकट का गयी यात्राओं के कारण सरकार को अनुमानतः कुल कितने रुपये की हानि हुई;

(ख) बिना टिकट यात्रा को रोकने के लिये सरकार क्या कार्यवाही कर रही है; और

(ग) 1967-68 में बिना टिकट यात्रा करते हुए कितने व्यक्तियों को पकड़ा गया ?

रेलवे मंत्री (श्री चे० मु० पुनाचा) : (क) लगभग 12 करोड़ रुपये की हानि होने का अनुमान है ।

(ख) बिना टिकट और अनियमित ढंग से यात्रा करने के अन्य तरीकों को कम करने के लिए अक्सर कड़ाई से जाँच की जा रही है जिस में उड़न दस्ते और रेलवे मैजिस्ट्रेटों द्वारा गुप्त जाँच और अचानक जाँच शामिल हैं । इस संबंध में एक शिक्षात्मक अभियान भी चलाया जा रहा है ।

(ग) 1967-68 में बिना टिकट या अनियमित टिकटों पर यात्रा करते हुए पकड़े गये व्यक्तियों की संख्या 90,94,860 थी ।

रेलवे दुर्घटनायें

1809. **श्री हुकम चन्द कछवाय :** क्या **रेलवे** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या हमारे देश में 1961 से लेकर आज तक प्रति वर्ष कितनी रेल दुर्घटनायें हुई तथा इन दुर्घटनाओं के कारण कितने व्यक्ति मारे गये तथा घायल हुए;

(ख) इस अवधि में किस वर्ष मृत व्यक्तियों के परिवारों और घायल व्यक्तियों को सरकार ने कितना मुआवजा दिया; और

(ग) इन दुर्घटनाओं से सरकार को कितना नुकसान हुआ।

रेलवे मंत्री (श्री चे० मु० पुनाचा) : (क) और (ग). एक विवरण संलग्न है, जिसमें 1961-6 से 1967-98 तक के वर्षों में घटित गाड़ी दुर्घटनाओं की संख्या और उन के परिणामस्वरूप मृत और घायल व्यक्तियों की संख्या तथा रेल सम्पत्ति को हानि का मूल्य बताया गया है।

(ख) सूचना शीघ्र लोक सभा पटल पर रख दी जायेगी।

विवरण

वर्ष	भारत की सरकारी रेलों में गाड़ी दुर्घटनाएं*	हताहत मृत	हताहत घायल	रेल सम्पत्ति की हानि का मूल्य (रु०)
1961-62	1953	178	952	78,14,261
1962-63	1637	250	1129	94,89,454
1963-64	1635	92	793	76,03,621
1964-65	1293	240	620	71,17,282
1965-66	1201	123	1205	84,66,530
1966-67	1097	306	1279	97,66,871
1967-68**	1111	233	1011	1,49,78,037

*टक्कर, गाड़ियों का पटरी से उतर जाना, समपार पर गाड़ियों का सड़क यातायात से टकरा जाना और गाड़ियों में आग लगना।

**अनन्तिम।

व्यापार संतुलन

1810. **श्री हुकम चन्द कछवाय :** क्या **वाणिज्य** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या जनवरी और फरवरी, 1968 में भारत का अन्य देशों से व्यापार सन्तुलन भारत के हक में रहा है; और

(ख) यदि नहीं, तो हमारे निर्यात की अपेक्षा कितने अधिक मूल्य का आयात किया गया ?

वाणिज्य मंत्रालय में उप-मंत्री (श्री मुहम्मद शफी कुरैशी): (क) जी, नहीं।

(ख) 80.35 करोड़ रुपये।

Copper, Lead and Zinc Deposits at Khetri and Agnigundala

1811. SHRI K. SURYANARAYANA: Will the Minister of STEEL, MINES AND METALS be pleased to state:

(a) whether it is a fact that the Aerial Mineral Survey Project has indicated that the copper, lead and